# स्यालोदड़ा में प्रदूषण जांच के पहुंची टीम को क्रशर बंद मिलने पर ग्रामीणों का विरोध

## ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही क्रशर बंद कर दिए गए और सड़कों पर पानी का छिड़काव कर दिया

**पाटन,** (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में कालका माता मंदिर के पास प्रदूषण की स्थिति की जांच के लिए प्रदूषण नियंत्रण विभाग की मोबाइल वैन पहुंची। विभाग की ओर से क्षेत्र में वायु प्रदूषण के स्तर की जांच की गई, लेकिन जांच के दौरान अधिकांश क्रशर बंद मिलने पर ग्रामीणों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे खानापूर्ति बताया।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही क्रशर बंद कर दिए गए और सड़कों पर पानी का छिड़काव कर दिया गया। इससे सामान्य दिनों में रहने वाली धूल और प्रदूषण की वास्तविक स्थिति जांच में सामने नहीं आ सकी। ग्रामीणों ने जांच स्टाफ पर क्रशर संचालकों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं अचानक जांच कराने की मांग की।

पाटन के स्यालोदड़ा में प्रदूषण नियंत्रण विभाग की मोबाइल वैन जांच के लिये पहुंची।

- ग्रामीणों ने जांच स्टाफ पर क्रशर संचालकों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं अचानक जांच कराने की मांग की

ग्रामीण रमेश गुर्जर ने आरोप लगाया कि प्रदूषण विभाग की गाड़ी पहुंचते ही रास्तों पर पानी का छिड़काव शुरू करवा दिया गया। साथ ही अधिकांश क्रशर भी बंद कर दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि सामान्य दिनों की तरह क्रशर चलते रहते और सड़क पर पानी का छिड़काव नहीं किया जाता तो प्रदूषण की वास्तविक स्थिति सामने आती। ग्रामीण पंकज सैनी ने कहा कि विभाग की ओर से की जा रही जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में अचानक जांच की जाए अथवा स्थायी रूप से प्रदूषण मापने की मशीन लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में धूल प्रदूषण के स्तर की लगातार निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि क्रशर इकाइयों से दिन-रात उड़ने वाली धूल के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में सैकड़ों लोग धूल प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान हैं। उनका दावा है कि क्रशर इकाइयों में काम करने वाले कई श्रमिक टीबी और सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारियों से प्रभावित हुए हैं और कुछ की मौत भी हुई है।

ग्रामीण गिरवर सैनी ने सवाल उठाया कि जब क्रशर ही बंद हैं तो प्रदूषण की वास्तविक स्थिति कैसे सामने आएगी। उन्होंने कहा कि क्रशर संचालन के दौरान जांच की जानी चाहिए, तभी क्षेत्र में धूल प्रदूषण की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग सीकर के आरओ नीरज शर्मा ने बताया कि जयपुर से मोबाइल मशीन एक महीने के लिए विभाग के पास आई हुई है। इसके माध्यम से जिले में विभिन्न स्थानों पर वायु प्रदूषण की रूटीन जांच की जा रही है। मशीन एक स्थान पर करीब 24 घंटे तक वायु गुणवत्ता की निगरानी करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जांच औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण की जांच से अलग है। इंडस्ट्रियल प्रदूषण की जांच विभाग की अलग मशीन के माध्यम से की जाती है।

# होटल बुकिंग के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी

## तीन साइबर ठग गिरफ्तार, पांच मोबाइल, लैपटॉप और ठगी के पैसों से खरीदी थार जब्त

**डीग/भरतपुर,** (निसं)। होटल बुकिंग के नाम पर लोगों को ऑनलाइन झांसे में लेकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का डीग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और साइबर ठगी की राशि से खरीदी गई काले रंग की थार गाड़ी जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी होटल वेबसाइट के जरिए ग्राहकों को अपने जाल में फंसाते और व्हाट्सएप पर संपर्क के बाद फर्जी क्यूआर कोड भेजकर रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। यह कार्रवाई एसपी डीग शरण गोपीनाथ के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन काउंटडाउन' के तहत थाना कोतवाली डीग, साइबर सेल और डीएसटी की संयुक्त टीम ने की।

थाना कोतवाली प्रभारी हीरालाल मीणा के अनुसार गश्त एवं चेकिंग के दौरान बस स्टैंड डीग के पास मुखबिर से सूचना मिली कि एक थार गाड़ी में कुछ युवक बैठकर साइबर ठगी कर रहे हैं। पुलिस टीम बताए स्थान पर पहुंची तो यूपी नंबर की काली थार खड़ी मिली। गाड़ी में पांच युवक बैठे थे। पुलिस को देखते ही चालक और उसके पास बैठा युवक जंगल की ओर भाग निकला, जबकि पीछे की सीट पर बैठे तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान वसीम पुत्र इदरीस, अकरम पुत्र काशीम, दोनों निवासी दौलतपुर (लहचोरा), थाना गोवर्धन, जिला मथुरा तथा तारीफ पुत्र हनीफ निवासी जोतरी पीपल, थाना गोपालगढ़, डीग के रूप में हुई। तलाशी में इनके पास से पांच मोबाइल और एक लैपटॉप मिले।

- सॉफ्टवेयर इंजीनियर साथी से होटल जैसी दिखने वाली फर्जी वेबसाइट बनवाते थे

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी किसी वास्तविक होटल से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट तैयार करवाते थे। इसके लिए सॉफ्टवेयर इंजीनियर आरोपी तारीफ की मदद ली जाती थी। वेबसाइट के कॉन्टेक्ट सेक्शन में फर्जी मोबाइल और व्हाट्सएप नंबर डालकर ग्राहकों को संपर्क के लिए आकर्षित किया जाता था। ग्राहक होटल बुकिंग के लिए संपर्क करता तो आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत कर उसे विश्वास में लेते और भुगतान के लिए फर्जी क्यूआर कोड भेजते थे। क्यूआर कोड के जरिए रकम हासिल करने के बाद ठाहक से संपर्क तोड़ देते थे।

आरोपी फर्जी आईडी के साथ फर्जी सिम व बैंक खातों का इस्तेमाल भी करते थे। पुलिस को जांच में अलग-अलग तरह के प्रलोभन देकर लोगों को ठगने के साक्ष्य भी मिले हैं। मौके से जब्त थार के बारे में आरोपियों ने बताया कि गाड़ी फरार आरोपी मानवेन्द्र उर्फ कलुवा निवासी मुड़सेरस की है और इसे साइबर ठगी की रकम से खरीदा गया था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और बैंक खातों की भी जांच कर रही है।

# अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में दो बंदियों ने निगरानी कैमरे तोड़े

**अजमेर,** (निसं)। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद दो बंदियों द्वारा अपने-अपने बैरक में लगे निगरानी कैमरों को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की जांच में दोनों कैमरों के टूटे हुए हिस्से बैरक के ऊपर स्थित छत से बरामद हुए। मामले में जेल प्रशासन की ओर से सिविल लाइंस थाना पुलिस को शिकायत दी गई, जिसके आधार पर दोनों बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जेल प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 सितंबर की रात बैरक नंबर-1 के ब्लॉक नंबर-1 में स्थित सेल नंबर 3 और सेल नंबर 5 के निगरानी कैमरे अपनी जगह पर नहीं मिले। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो दोनों कैमरे गायब थे। इसके बाद आसपास के हिस्सों की तलाशी ली गई, जहां बैरक की छत पर कैमरों के टूटे हुए हिस्से मिले। जेल के नियंत्रण कक्ष में उपलब्ध पुरानी रिकॉर्डिंग की जांच की गई। फुटेज में सामने आया कि सेल नंबर-3 में बंद सुमित कुमार ने निगरानी कैमरे को नुकसान पहुंचाने के लिए पत्थर का इस्तेमाल किया। रिकॉर्डिंग में वह सेल के शौचालय की दीवार पर चढ़ता हुआ भी दिखाई दिया। जेल प्रशासन के अनुसार, 4 सितंबर की सुबह करीब 7 बजकर 15 मिनट तक सेल नंबर-3 का कैमरा काम कर रहा था। इसके बाद उसकी रिकॉर्डिंग बंद हो गई। इसी तरह सेल नंबर-5 में लगा कैमरा भी सुबह करीब 7 बजकर 12 मिनट तक रिकॉर्डिंग करता दिखाई दिया। रिकॉर्डिंग में सुमित कुमार के हाथ में पत्थर दिखाई देने और उसे निगरानी कैमरे की दिशा में फेंकने की बात सामने आई है। इसके बाद दूसरा बंदी रामबीर पुत्र सत्यवीर भी सेल में आता दिखाई देता है। कुछ देर बाद सुमित कुमार शौचालय की दीवार पर चढ़कर कैमरे तक पहुंचने का प्रयास करता नजर आया। इसके बाद कैमरे की रिकॉर्डिंग बंद हो गई। जेल प्रशासन ने दोनों बंदियों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा जेल प्रशासन के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ कैमरों को क्षतिग्रस्त करने के पीछे की वजह और दोनों बंदियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

- बैरक की छत पर मिले कैमरों के टूटे हिस्से, मामला दर्ज

# धर्म, राजनीति और व्यक्ति के चरित्र को बदलने का औजार है पुस्तकें : प्रो. दाधीच

**जयपुर /चूरू।** पुस्तकें धर्म, राजनीति और व्यक्तियों का चरित्र बदलने का औजार रही हैं और वैचारिक धरातल पर आज भी उतनी ही मारक हैं। पुस्तकों के संग व्यक्ति एकांतवास में रहकर भी पूर्णता प्राप्त करता है। पुस्तकों की संगत से वह सब कुछ पा लेता है जो जीवन के सच से साक्षात्कार कराने के लिए पर्याप्त है। यह विचार लेखक-चिंतक एवं वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच ने शुक्रवार को चूरू बालिका महाविद्यालय सभागार में स्थानीय प्रयास संस्थान के प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल को समर्पित पुस्तक उपहार कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। प्रो. दाधीच ने कई ऐतिहासिक, राजनीतिक संदर्भों के माध्यम से कहा कि पुस्तकें समय की जरूरत है और खासकर युवा पीढ़ी को पुस्तकों एवं पुस्तक-संस्कृति से जुड़ना चाहिए।

चूरू बालिका महाविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम को अतिथियों ने संबोधित किया।

- चूरू में स्थानीय प्रयास संस्थान के प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल को समर्पित पुस्तक उपहार कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और प्रो. धारीवाल के पुत्र पूर्व आईएएस सुनील धारीवाल ने कहा कि व्यक्ति का चरित्र न केवल उसके परिवार को गढ़ता है अपितु पूरे परिवेश को आंदोलित करता है। प्रो. धारीवाल ऐसे ही व्यक्ति थे जिन्होंने संघर्ष के मार्ग से गुजरते योग्य शख्स को गढ़ा और एक स्वस्थ समाज निर्माण का संकल्प लिया। पूर्व आईएएस डॉ. लोकनाथ सोनी ने कहा कि पुस्तक और जिंदा व्यक्ति समाज को आगे ले जाते हैं। प्रो. धारीवाल के कारण मुझ जैसे कितने ही व्यक्ति बने और आगे बढ़े। राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट के पूर्व सदस्य प्रो. एच. आर. ईसराण ने कहा कि पुस्तकों से गहराई से जुड़े प्रो. धारीवाल की स्मृति में पुस्तक उपहार से बेहतर कोइ विकल्प है ही नहीं। प्रयास का लेखक को लागत और पाठक को पुस्तक मिशन उसी सार्थक कड़ी की मुहिम है। कार्यक्रम अध्यक्ष नगरपरिषद के पूर्व सभापति एवं महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामगोपाल बहड़ ने कहा कि पुस्तकों से जुड़ना और प्रो. धारीवाल को याद करना दोनों ही क्षण गर्व भरे हैं।

शिक्षाविद् प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल की जयंती पर आयोजित हुए उक्त कार्यक्रम में धारीवाल परिवार द्वारा प्रयास संस्थान के माध्यम से चूरू अंचल के लेखकों से अस्सी हजार रुपये मूल्य की पुस्तकें क्रय कर महाविद्यालय के पुस्तकालय को भेंट की गईं। महाविद्यालय प्राचार्य आशा कोठारी को प्रयास संस्थान के अध्यक्ष और राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण एवं पूर्व आईएएस सुनील धारीवाल ने पुस्तकें भेंट की। अंचल के साहित्यकार अशोक अनुराग, स्नेहलता शर्मा, राजेंद्र मुसाफिर, किशोर कुमार निर्वाण, आशीष गौतम, डॉ. बजरंग बगड़िया, मंगल व्यास भारती आदि ने अपनी पुस्तकें मंच से प्रयास को दी और ऑनलाइन मूल्य प्राप्त किया।

प्रो. धारीवाल के चित्र पर पुष्पांजलि से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने दिया और योजना के विषय में बताया। कार्यक्रम में इंजीनियर सोहनलाल फगेड़िया, एडवोकेट बजरंगलाल शर्मा, संतोष मासूम, श्यामसुंदर शर्मा, के. आर. पाटवाल, सुभाष मेघवाल, अशोक कुमार डूडी, प्रो. हिमांश महला, डॉ. कृष्णा जाखड़, श्रेयांश धारीवाल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद महाविद्यालय की प्राचार्य आशा कोठारी ने दिया।

## जेवर व नकदी चोरी

**उदयपुर, (निसं)।** डबोक थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूने मकान से जेवर व नकदी चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लिलेस दास पुत्र हिम्मतदास निवासी भवरासिया ने डबोक पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 23 सितंबर को मैं मकान पर ताला लगाकर पास ही गांव में गवरी देखने के लिए गया था। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो करीब 3 लाख रूपये नकदी, सोने का मंगलसूत्र, कान के झुमके, चांदी की पायल, कंदोरा बिछिया गायब थी।

# लॉरेंस गैंग के निशाने पर सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा, दो इनामी शूटर गिरफ्तार

## आरोपियों के मोबाइल से लोढ़ा की तस्वीरें और रेकी के सबूत मिले

**जालोर,** (निसं)। सिरोही कांग्रेस के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा को निशाना बनाने की साजिश का खुलासा करते हुए जोधपुर पुलिस ने लॉरेंस गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के मोबाइल से लोढ़ा की तस्वीरें और उनकी रेकी किए जाने के सबूत मिले हैं।

जानकारी के अनुसार राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और जोधपुर पुलिस की संयुक्त पूछताछ में लॉरेंस गिरोह की ओर से सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा को निशाना बनाने की साजिश का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पंजाब पुलिस की ओर से पांच-पांच लाख रुपये के इनामी दो शूटरों जसकरण सिंह उर्फ करण और राजिंदर उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया है। दोनों के मोबाइल फोन से पूर्व विधायक लोढा की तस्वीरें बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार शूटरों ने सिरोही स्थित लोढ़ा के फार्म हाउस की कई दिनों तक रेकी की थी। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों शूटरों ने सिरोही में पूर्व विधायक के फार्म हाउस के पास स्थित पहाड़ी पर अपना ठिकाना बनाया था। यहां से वे लोढ़ा के आने-जाने के समय, उनकी गतिविधियों और उनसे मिलने आने वाले लोगों पर नजर रखते थे। उन्होंने वारदात के बाद भागने के लिए सुनसान इलाकों और पहाड़ी रास्तों की भी रेकी की। पूछताछ में आरोपियों ने दावा किया कि पूर्व विधायक लोढा और उनके भाई के बीच वैचारिक मतभेद थे और इसी वजह से उन्हें निशाना बनाने की योजना बनाई गई। हालांकि पुलिस इस दावे की पुष्टि के लिए अभी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार निकाय चुनाव के दौरान फार्म हाउस पर पार्षदों और समर्थकों की आवाजाही बढ़ गई थी। इस वजह से शूटरों को वारदात का मौका नहीं मिल सका और उनकी योजना सफल नहीं हो पाये। सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की हत्या की साजिश के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

- पुलिस के अनुसार शूटरों ने सिरोही स्थित लोढ़ा के फार्म हाउस की कई दिनों तक रेकी की थी, पूर्व विधायक के फार्म हाउस के पास स्थित पहाड़ी पर अपना ठिकाना बनाया था।
- पुलिस ने पंजाब पुलिस की ओर से पांच-पांच लाख रुपये के इनामी दो शूटरों जसकरण सिंह उर्फ करण और राजिंदर उर्फ बिल्ला को दबोचा

# विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत पक्के आवास की स्वीकृति मिली

**जयपुर।** किसी परिवार के लिए पक्का घर सिर्फ ईंट और सीमेंट की चारदीवारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का भरोसा होता है। वर्षों से कच्चे और जर्जर मकान में रह रही जोधपुर जिले के डांगियावास की सुगरी पत्नी जस्सा राम के लिए यह सपना अब वास्तविकता में बदलने को है। विकसित भारत-जन सेवा अभियान 2026 में आयोजित विशेष शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में पक्के आवास की स्वीकृति मिली। सुगरी के लिए यह केवल एक सरकारी स्वीकृति नहीं बल्कि एक ऐसी नई शुरुआत है, जिसकी प्रतीक्षा उनके परिवार ने वर्षों से की थी। अब तक मानसून में छत से रिसता पानी, गर्मी में टूटी खिड़की से आती लू और दिसम्बर-जनवरी की शीत लहर, हर मौसम यातना था।

जन सेवा शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में सुगरी को लाभ मिला।

- शिविर में गोरधन राम के लिए भी वर्षों पुरानी समस्या के समाधान का रास्ता खुला

डांगियावास का यह शिविर केवल योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि आमजन की समस्याओं और उनके वास्तविक समाधान करने का मंच भी बना। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएँ उपलब्ध होने से ग्रामीणों को संबंधित कार्यालयों तक जाने की परेशानी कम हुई और मौके पर ही प्रकरणों के निस्तारण की कार्यवाही की गई। इसी शिविर में गोरधन राम पुत्र कंवराराम के लिए भी वर्षों पुरानी समस्या के समाधान का रास्ता खुला। उनके खसरा संख्या 172 एवं 180 के हिस्से में दर्ज अशुद्धि के संबंध में राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक प्रपत्र तैयार कर मौके पर ही शुद्धीकरण की कार्यवाही की गई।

एक ओर सुगरी को सुरक्षित आवास की दिशा में कदम मिला, तो दूसरी ओर गोरधन राम को भूमि अभिलेख से जुड़ी समस्या से राहत मिली। उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न गतिविधियों के साथ सेवा सेतु शिविरों का आयोजन कर रही है। अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने, पात्र लोगों को योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर लंबित प्रकरणों एवं परिवेदनाओं के निस्तारण को गति देना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अभियान में विभागों के समन्वय और सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

## अलवर के जिला अस्पताल में मरीज की मौत

**अलवर,** (निसं)। अलवर के जिला अस्पताल में गुरुवार रात मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि तबीयत बिगड़ने के दौरान बार-बार मदद मांगने के बावजूद मरीज को समय पर उपचार नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार दीवान जी का बाग निवासी निर्मल को पिछले तीन दिनों से बुखार था। गुरुवार शाम अचानक तबीयत ज्यादा खराब होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के बाद उसे मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया। परिजनों का आरोप है कि वार्ड में मरीज को देखने पहुंचे डॉक्टर के कानों में ईयरबड्स लगे हुए थे। उनका कहना है कि डॉक्टर ने मरीज को ठीक से नहीं देखा और इंजेक्शन लगाने के बाद वहां से चले गए। कुछ देर बाद मरीज की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद परिजन वार्ड में मौजूद स्टाफ से मरीज को संभालने और इलाज करने की लगातार गुहार लगाते रहे। परिजनों के मुताबिक, मरीज की हालत बिगड़ने के दौरान भी समय पर पर्याप्त चिकित्सा सहायता नहीं मिली। इसी दौरान परिजनों ने घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि वार्ड में मौजूद एक स्टाफकर्मी ने उन्हें धमकाया और मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया।

# तिरंगा योजना को आठ साल बीतने के बाद भी भरतपुर स्टेशन पर नहीं लहराया तिरंगा

## भरतपुर के आसपास के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट या बड़े राष्ट्रीय ध्वज पहले से लगाए जा चुके हैं

भरतपुर, (निसं)। देश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल शुरू हुए करीब आठ वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन भरतपुर रेलवे स्टेशन के बाहर आज भी तिरंगे का इंतजार खत्म नहीं हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि भरतपुर स्टेशन पर 100 फीट ऊंचे तिरंगे के लिए फाउंडेशन तैयार हुए भी करीब साढे तीन वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक उस पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं लगाया जा सका है। जिस स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज को शान से लहराना था, वहां पोल तो दिखाई देता है, लेकिन उस पर तिरंगा नहीं है।

समाजसेवी राहुल मदेरणा ने बताया कि भरतपुर के आसपास के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट या बड़े राष्ट्रीय ध्वज पहले से लगाए जा चुके हैं। धौलपुर, मुरैना, आगरा, ग्वालियर, मथुरा-वृंदावन और दौसा जैसे आसपास के क्षेत्रों के स्टेशनों पर राष्ट्रीय ध्वज नजर आता है। भरतपुर केवल एक सामान्य रेलवे स्टेशन नहीं है। यह संभाग मुख्यालय होने के साथ-साथ क्षेत्र का महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। इसके बावजूद स्टेशन के बाहर वर्षों से तिरंगे का पोल खाली खड़ा रहना लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है।

- रेलवे स्टेशन के बाहर वर्षों से तिरंगे का पोल खाली खड़ा रहना लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है
- रेलवे की ओर से प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल वर्ष 2018 में शुरू की गई थी

मदेरणा ने कहा कि भरतपुर देश-विदेश के पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र है। दिल्ली, आगरा और जयपुर को जोड़ने वाले लोकप्रिय गोल्डन ट्रायंगल पर्यटन सर्किट में भी भरतपुर का महत्वपूर्ण स्थान है। रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले पर्यटक और भरतपुर से बाहर काम करने वाले स्थानीय लोग भी स्टेशन से गुजरते हैं। ऐसे में स्टेशन पर तैयार 100 फीट का पोल लेकिन उस पर तिरंगे का ना होना लोगों को खटकता है।

मदेरणा ने बताया कि रेलवे की ओर से प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल वर्ष 2018 में शुरू की गई थी। इसके पीछे सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज को प्रमुखता देना और यात्रियों में राष्ट्रीय गौरव एवं देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना उद्देश्य था। ऐसे में भरतपुर में वर्ष 2023 में तिरंगे के लिए फाउंडेशन तैयार होने के बाद भी वर्षों तक काम पूरा नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

भरतपुर निवासी राहुल मदेरणा ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि भरतपुर जैसे महत्वपूर्ण शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर तिरंगे के लिए पोल और फाउंडेशन तैयार होने के बावजूद वर्षों तक उस पर झंडा नहीं लगना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य रेलवे और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है ताकि वर्षों से अधूरा पड़ा यह काम पूरा हो और भरतपुर रेलवे स्टेशन के बाहर भी राष्ट्रीय ध्वज सम्मान के साथ लहराता दिखाई दे। उनकी मांग है कि रेलवे इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द पूरा करे और भरतपुर रेलवे स्टेशन पर 100 फीट ऊंचे पोल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए।